RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 291
दि. 22.02.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

योगी सरकार का डबल धमाका: 2.51 लाख किसानों को करोड़ों का मुआवजा, 45 हजार होमगार्ड भर्ती में 'आपदा मित्रों' को तरजीह

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को किसानों और युवाओं के हित में दो बड़े फैसले लिए।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को किसानों और युवाओं के हित में दो बड़े फैसले लिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ-2025) के तहत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि वितरित की। इसके साथ ही, उन्होंने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा रास्ता खोलते हुए यूपी में 45,000 होमगाड्र्स की भर्ती में 'आपदा मित्रों' को प्राथमिकता देने का ऐतिहासिक ऐलान किया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में आपदा मित्रों की सेवा स्वैच्छिक है, लेकिन होमगार्ड के रूप में शामिल होने पर उन्हें सरकार की ओर से नियमित मानदेय दिया जाएगा। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अब तक 19,000 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया है। इसके अलावा, एनसीसी, एनएसएस और स्काउट गाइड जैसे संगठनों के करीब 29,772 युवा स्वयंसेवकों को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया जा रहा है।

5 लाख का बीमा और किट

प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कई

महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आपदा मित्रों को तीन वर्ष के लिए 5 लाख रुपये का जीवन एवं चिकित्सा बीमा प्रदान किया गया है। इसके लिए 10 फरवरी को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एमओयू साइन किया गया। युवाओं को 15 आइटम वाली 'इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट' दी गई है, जिसमें लाइफ जैकेट, सर्च टॉर्च, सेफ्टी हेलमेट और फर्स्ट-एड बॉक्स जैसे उपकरण शामिल हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर उत्तर प्रदेश आपदा प्रबंधन में 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' तैयार कर रहा है। इसके तहत स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय आपदा प्रबंधन इंटर्नशिप कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है।

अब तक 2,959 युवा पूरी तरह प्रशिक्षित होकर सेवा के लिए तैयार हैं।

ग्रेटर नोएडा बनेगा भारत का 'सिलिकॉन वैली', पीएम मोदी ने दी बड़ी सौगात

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आज भारत के तकनीकी इतिहास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड' (ल्ठ्छ ग्रुप और फॉक्सकॉन का संयुक्त उद्यम) के सेमीकंडक्टर डरअळ संयंत्र का शिलान्यास किया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में स्थापित होने वाली यह उत्तर भारत की पहली प्रमुख सेमीकंडक्टर यूनिट है। लगभग 3,706 करोड़ रुपये के निवेश वाली यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश को ग्लोबल टेक मैप पर लाएगी, बल्कि भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

प्रधानमंत्री ने लाल किले की अपनी बात दोहराते हुए कहा कि भारत के पास अब रुकने या सुस्त होने का समय नहीं है। उन्होंने दिल्ली में हुए 'ग्लोबल अक इम्पैक्ट समिट' का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे पूरी दुनिया अब भारत की अक क्षमता और विजन की कायल हो चुकी है। पीएम के मुताबिक, भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल होने की कोशिश कर रहा है जिनके पास मॉडर्न वर्ल्ड को चलाने वाली प्रोसेसिंग पावर है।

इस मौके पर पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश के सांसद होने के नाते अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि ल्ठ्छ और फॉक्सकॉन की यह फैक्ट्री उत्तर प्रदेश की पहचान एक 'टेक्नोलॉजी पावरहाउस' के रूप में स्थापित करेगी। यह प्लांट केवल एक फैक्ट्री नहीं है, बल्कि यूपी को सेमीकंडक्टर सिस्टम का केंद्र बनाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। इससे न केवल तकनीक को बढ़ावा मिलेगा बल्कि निवेश के नए रास्ते भी खुलेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जिस जेवर और ग्रेटर नोएडा के इलाके में कभी गोलियां चलती थीं और लोग सूरज डूबने के

बाद घर से निकलने में डरते थे, आज वही इलाका देश का 'ज्वेल' (गहना) बन चुका है। योगी ने कहा कि जेवर अब अराजकता नहीं बल्कि विकास के लिए जाना जाता है और यहां की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण है।

सीएम योगी ने दिल्ली के भारत मंडपम में हुए समिट की तारीफ करते हुए कहा कि इससे न केवल भारत बल्कि पूरी मानवता का जीवन आसान और सुगम होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के उस विजन का आभार जताया जिसके कारण उत्तर प्रदेश को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (नई तकनीकों) का हब बनने का मौका मिला है। इस प्रोजेक्ट के साथ यूपी अब भारत की प्रगति में एक इंजन की तरह काम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जीत के लिए सीएम स्टालिन का डोर-टू-डोर कैंपेन प्लान, कार्यकताओं को दिया निर्देश! जनता से विनम्रता और सम्मान के साथ जुड़ने की कोशिश करनी है

(जीएनएस)।

तमिलनाडु में चुनावी माहौल के बीच मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मदुरै में पार्टी कार्यकताओं से घर-घर पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता से विनम्रता और सम्मान के साथ जुड़ने की कोशिश करनी है। विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पार्टी हर मतदाता से व्यक्तिगत संपर्क बनाने की कोशिश करेगी। प्रदेश में अप्रैल-मई में चुनाव होने वाले हैं और इस बार इंडिया अलायंस के सामने एनडीए गठबंधन की चुनौती है। एनडीएम में बीजेपी के साथ एआईएडीएमके और छोटी पार्टियां शामिल हैं। एक्टर से नेता बने विजय भी मैदान में हैं।

डीएमके सुप्रीमो और तमिलनाडु के सीएम ने कहा कि हमारे कार्यकताओं को यह पक्का करना होगा कि चुनाव प्रचार के आखिरी क्षण तक हर परिवार से जाकर मुलाकात करें। जो लोग हमें वोट नहीं भी देते हैं, उनके यहां भी जाकर बातचीत करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, 'जनता ही असली मालिक है। हमें मतदाताओं के पास विनम्रता और स्नेह के साथ जाना चाहिए।"

उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि चुनाव को केवल राजनीतिक मुकाबले के रूप में न देखें, बल्कि जनता की सेवा के अवसर के रूप में लें।' मदुरै की रैली में उन्होंने महिला अधिकार सहायता योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि चुनाव का बहाना बनाकर इस योजना को रोकने की साजिश रची गई थी। उन्होंने कहा, कि हमारी सरकार ने इसका विरोध किया और महिलाओं को 5,000 रुपये की सहायता उपलब्ध कराई। द्रविड़ मॉडल की सरकार महिलाओं, बच्चों, किसानों और समाज के सभी वर्गों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है।

स्टालिन ने कहा कि इन योजनाओं के कारण ही तमिलनाडु अभूतपूर्व विकास हासिल कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की प्रगति से विपक्षी दल परेशान और ईर्ष्या तक करने लगे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास ही उनकी

सरकार की प्राथमिकता है।

चुनावी दौर में स्टालिन का यह बयान पार्टी कैडर को एकजुट करने और सरकार की उपलब्धियों को दोहराने की रणनीति का हिस्सा है। महिला सहायता योजना और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनावी मुद्दा बनाकर सत्तारूढ़ दल मतदाताओं के बीच सकारात्मक संदेश देना चाहता है। मदुरै में दिया गया यह भाषण संकेत देता है कि सत्ताधारी दल विकास और कल्याणकारी योजनाओं को अपने चुनावी अभियान का केंद्रीय बिंदु बनाए हुए है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि विपक्ष इस दावे का किस तरह जवाब देता है और चुनावी मुकाबला किस दिशा में आगे बढ़ता है।

घरेलू हिंसा केस में गुजरात हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

(जीएनएस)।

गुजरात हाई कोर्ट ने घरेलू हिंसा से जुड़े एक पुराने मामले में अहम टिप्पणी की है। इस केस में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा है कि पति का पत्नी को मारा गया एक थप्पड़ अपने आप में 'क्रूरता' की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। जब तक कि लगातार प्रताड़ना या गंभीर उत्पीड़न के पुख्ता सबूत मौजूद न हों, इसे हिंसा नहीं कह सकते। इस फैसले के बाद घरेलू हिंसा कानूनों की व्याख्या को लेकर नई बहस छिड़ गई है। यह मामला वलसाड जिले का है, जहां 1995 में शादी के कुछ महीनों बाद एक महिला ने आत्महत्या कर ली थी।

मृतका के पिता ने आरोप लगाया

था कि पति अक्सर देर रात घर आता था, पार्टियों में शामिल होता था और उनकी बेटी के साथ मारपीट करता था। शिकायत में यह भी कहा गया कि जब महिला मायके में रह रही थी, तब पति वहां पहुंचा और उसे थप्पड़ मारा। इसी आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (क्रूरता) और 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया।

– साल 2003 में सेशन कोर्ट ने आरोपी पति को दोषी ठहराते हुए क्रूरता के आरोप में एक वर्ष और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सात वर्ष की सजा सुनाई थी। हालांकि, आरोपी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

– हाई कोर्ट ने मामले की दोबारा सुनवाई के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों का फिर से मूल्यांकन किया और पाया कि लगातार या असहनीय उत्पीड़न के पर्याप्त प्रमाण पेश नहीं किए गए।

'मेरा पैसा लौटाओ', सुप्रीमकोर्ट में करारी हार के बाद ट्रंप से मांगा रिफंड

(जीएनएस)।

अमेरिका की पॉलिटिक्स में इस हफ्ते जो हुआ, उसकी वाइब किसी Netflix पॉलिटिकल थ्रिलर से कम नहीं थी। Supreme Court of the United States ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए राष्ट्रपति Donald Trump द्वारा लगाए गए ट्रेड टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया। 6-3 के बहुमत से जस्टिसों ने कहा कि ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग किया और अपनी संवैधानिक सीमा लांघ दी। कोर्ट के मुताबिक, इन टैरिफ का असर सिर्फ ग्लोबल ट्रेड तक सीमित नहीं था- इसने घरेलू बाजार में कीमतों को भी ऊपर धकेला। चीन और दूसरे देशों के साथ ट्रेड डेफिसिट कम करना अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बूस्ट देना

इसी सोच के तहत उन्होंने आपातकालीन शक्तियों के कानून का इस्तेमाल करते हुए कई देशों पर 'पारस्परिक' टैरिफ लगाए।

राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर विशेष आर्थिक कदम उठा सकते हैं। लेकिन टैक्स लगाने का मूल अधिकार अमेरिकी संविधान के अनुसार कांग्रेस के पास है यहीं से टैरिफ शुरू हुआ।

कितना पैसा आया और किसकी जेब से गया?

Reuters, NYT और BBC जैसी रिपोर्ट्स के अनुसार, इन टैरिफ से आयातकों से $130 बिलियन से

अधिक की राशि इकट्ठी की गई। अब ध्यान से सुनिए- ये पैसा सरकार ने आयातकों से वसूला, लेकिन असली असर आम ग्राहकों यानी कि आम जनता पर पड़ा।

क्योंकि, जब आयात महंगा होता है, तो कंपनियां अपनी लागत बढ़ाती हैं, किराने का सामान महंगा होता है, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पाट्र्स, फर्नीचर सबकी कीमत बढ़ती हैं। Yale University के विशेषज्ञों के मुताबिक- औसत अमेरिकी परिवार ने पिछले साल लगभग $1,700 अतिरिक्त टैरिफ लागत के रूप में चुकाए।

कितना टैरिफ कितना बोझः

$130B कुल टैरिफ कलेक्शन

$1,700 प्रति परिवार का औसत बोझ, और समय के साथ बढ़ती कीमतों की लाइन

कोर्ट का फैसलाः 6-3 से ट्रंप की हार और ताकत पर असर

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से कहा- ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग किया। ये कदम कांग्रेस के टैक्स लगाने के अधिकार का उल्लंघन था। इससे वैश्विक व्यापार और घरेलू कीमतों पर नकारात्मक असर पड़ा। ट्रंप द्वारा नियुक्त जस्टिस Brett Kavanaugh ने असहमति जताई। जस्टिस ब्रेट ने कहा- 'आज का फैसला ये नहीं बताता कि इम्पोर्टर्स से लिए गए अरबों डॉलर कैसे लौटाए जाएं।' यानी Court ने टैरिफ को अवैध कहा, लेकिन Refund का रोडमैप क्लियर नहीं किया। यहीं से असली ड्रामा शुरू होता है।

ट्विस्ट देखोः $9 बिलियन का रिफंड बिल, फैसले के तुरंत बाद, इलिनोइस के गवर्नर JB Pritzker ने व्हाइट हाउस को लगभग $9 बिलियन का Refund Bill भेज दिया। उन्होंने मांग की, इलिनोइस के हर परिवार को लगभग $1,700 का चेक तुरंत भुगतान किया जाए। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि 'आपके टैरिफ टैरिफ ने किसानों पर कहर बरपाया, सहयोगियों को नाराज किया और किराने के सामान की कीमतें आसमान पर पहुंचा दीं।'

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 10 रुपये में मिल रहा पानी और चाय, समोसा, वड़ा पाव का भी जानें दाम

(जीएनएस)।

हवाई अड्डों पर अत्यधिक महंगे खान-पान यात्रियों के लिए एक प्रमुख चिंता है, जहां एक कप चाय ₹150 से ₹250 में मिलती है। इस समस्या के समाधान और हवाई यात्रा को आमजन के लिए सुलभ बनाने के लिए मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शानदार पहल की गई है।

सरकार ने 'उडान यात्री कैफे' योजना शुरू की है जिसके तहत छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय

हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए ये कैफे खोला गया है। जहां पर रेलवे स्टेशन के जैसे किफायती दाम पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को 'उड़ान यात्री कैफे' का ई-उद्घाटन किया। इस पहल के बाद मुंबई एयरपोर्ट को देश के अन्य हवाई अड्डों की तरह खाने की सस्ती चीजें उपलब्ध हो गई हैं।

इन कैफे में दाम बेहद आकर्षक हैं। चाय मात्र ₹10 और पानी की बोतल भी ₹10 में मिलती है, जबकि कॉफी, समोसा एवं वड़ापाव जैसे स्नैक्स सिर्फ ₹20 में उपलब्ध हैं।

रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी हो रही शुरू, पानी के रास्ते 5 घंटे में पूरा होगा मुंबई-कोंकण का सफर

(जीएनएस)।

मुंबई के लोगों को समुद्र मार्ग से यात्रा करने के लिए बड़ा तोहफा मिलने वाला है। मुंबई से विजयदुर्ग रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सर्विस शीघ्र शुरू होने जा रही है। विजयदुर्ग के बीच पानी के रास्ते ये सफर महज पांच से छह घंटे में पूरा होगा। Ro Ro Ferry के संचालन की जिम्मेदारी महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड संभालेगा जिससे कोंकण में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। आइए जानते हैं Ro Ro Ferry कब से हो रही शुरू, रूट और किराया क्‍ या होगा?

दरअसल, सिंधुदुर्ग के पालक मंत्री नीतेश राणे ने M2M कंपनी की बोट का पहला टिकट बुक कर सेवा का शुभारंभ कर दिया है मंत्री राणे ने कोंकण तट पर जल परिवहन शुरू करने के लिए लगातार प्रयास किए थे। यह पहल यात्रियों को सुविधा देने के साथ-साथ समुद्री पर्यटन को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

पहली बोट 1 मार्च को सुबह 8 बजे मुंबई बंदरगाह से विजयदुर्ग के लिए चलेगी और दोपहर 3 बजे पहुंचेगी। वापसी में, 2 मार्च को दोपहर 12 बजे विजयदुर्ग से चलकर बोट शाम 7 बजे मुंबई में दाखिल होगी। मार्च महीने में इस मार्ग पर कुल 16 फेरे नियोजित हैं।

मुंबई से विजयदुर्ग टाइमटेबल

गणेशोत्सव के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए यात्रियों को इस रो-रो फेरी का बेसब्री से इंतजार कई वर्षों से था। मुंबई से विजयदुर्ग के लिए यात्राएं 4, 7, 11, 14, 18, 21 और 25 मार्च को होंगी। वहीं, विजयदुर्ग से मुंबई के लिए बोट सेवाएं 5, 8, 12, 15, 19, 22 और 26 मार्च को उपलब्ध रहेंगी।

क्या होगा किराया?

मुंबई-विजयदुर्ग रो-रो सर्विस के प्रस्तावित टिकट दर निर्धारित कर दी

गई है। जिसमें इकोनॉमी ₹2,500, प्रीमियम इकोनॉमी ₹4,000। दोपहिया वाहन के लिए ₹1,000, साइकिल के लिए ₹600, जबकि चारपहिया वाहन का किराया ₹6,000 निर्धारित किया गया है।

खासियत : फेरी मुंबई के भाऊचा ढक्का से सीधे विजयदुर्ग तक चलेगी।

ट्रेन की तुलना में यात्रा समय आधा हो जाएगा और ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी।

मार्ग पर पैसेंजर जेटी को रोरो जेटी में अपग्रेड किया गया है।

यात्री अपने दो- या चारपहिया वाहन भी फेरी पर ले जा सकते हैं।

दोपहिया वाहनः 1000 रुपये

चारपहिया वाहनः 4500-6000 रुपये, क्यों बंद हुआ था मुंबई-कोंकण मार्ग : मुंबई-कोंकण मार्ग पर पहले भी जल परिवहन था, जो एक दुखद जहाज दुर्घटना के बाद बंद हो गया था।

बंदर विकास विभाग का प्रभार मिलने के बाद, नीतेश राणे ने केंद्र सरकार से इस यात्री सेवा को बहाल करने की पैरवी की थी।

यदि इसे अच्छा प्रतिसाद मिलता है, तो कोंकण का पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

चुनाव आयोग पर पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने और पारदर्शिता को लेकर उठ रहे गंभीर सवाल

(छगन लाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत.

चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई या कोई भी अन्य स्वायत्त संस्था जिसका सर्वोपरि कर्तव्य निष्पक्ष रूप से कार्य करना है। लेकिन जब इन संस्थाओं पर सवाल उठते हैं, और वह भी एक जगह नहीं बल्कि कई जगहों पर, तो इनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं। आज स्थिति ऐसी है कि ये संस्थाएं निष्पक्ष नहीं बल्कि पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करती हैं। और अधिकतर समय वे सत्ताधारी दल के इशारे पर काम करती हैं। जनता के एक वर्ग के मन में यही धारणा बन गई है।

यदि हम चुनाव आयोग की बात करें, तो यह देश की एक स्वायत्त संस्था है जिस पर देश के लोकतंत्र का स्वास्थ्य टिका हुआ है, लेकिन जब इसी संस्था पर पक्षपात के आरोप लगते हैं और यह साबित हो जाता है कि ऐसा हो रहा है और देश के सर्वोच्च न्यायालय को इसे बार-बार फटकार लगानी पड़ती है, तो यह न केवल चुनाव आयोग के लिए शर्म की बात है बल्कि देश के लोकतंत्र के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। दूसरे, चुनाव आयोग के इस तरह के विवादास्पद कार्यों को लेकर देश भर से जिस तरह की शिकायतें उठाई जा रही हैं, उससे स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग देश के सभी नागरिकों का विश्वास जीतने में पूरी तरह विफल रहा है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग से सबसे महत्वपूर्ण अपेक्षाओं में से एक यह रही है कि यह पूरी तरह से पारदर्शी होना चाहिए। कई विवादों के बीच विपक्षी दलों द्वारा भी यह एक प्रमुख मांग उठाई गई है। इस मुद्दे पर चुनाव आयोग का तर्क है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य अपात्र व्यक्तियों को हटाना है। इसमें वे लोग भी शामिल होंगे जो पलायन कर चुके हैं और जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इस उद्देश्य पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में लोगों के मतदाता सूची से बाहर किए जाने की खबरों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसका मूल कारण पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी हो सकती है। जिसके कारण आम नागरिकों में कई चिंताएं पैदा हो गई हैं। यदि एसआईआर प्रक्रिया शुरू से अंत तक पूरी तरह से पारदर्शी होती, तो अनावश्यक विवादों से बचा जा सकता था।

और मतदाताओं को उनके लोकतांत्रिक मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। यदि यह शिकायत उठाई जाती है कि देश के किसी विशेष समुदाय के लोगों को भी, बड़ी संख्या में मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, तो यह चुनाव आयोग की पूर्ण विफलता है, जो एक शर्मनाक बात है।

दुर्लभ न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रिया से ढाई वर्ष की बच्ची को मिल नया जीवन

– इंट्राक्रेनियल कैथेटर डायरेक्टेड थ्रोम्बोलाइसिस पहली बार उत्तर प्रदेश में सफल

– राष्ट्रीय स्तर का पहला ऐसा मामला अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की टीम की बड़ी उपलब्धि

लखनऊ 21 फरवरी 2026: अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक एक अत्यंत जटिल और दुर्लभ न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रिया इंट्राक्रेनियल कैथेटर डायरेक्टेड थ्रोम्बोलाइसिस कर ढाई साल की बच्ची की जान बचाई। यह उन्नत मस्तिष्क प्रक्रिया उत्तर प्रदेश में पहली बार की गई। इस प्रक्रिया को इंटरवेंशनल न्यूरो-रेडियोलॉजिस्ट डॉ. देवांश मिश्रा ने इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी टीम के डॉ. अर्पित टौंक और डॉ. अमोल श्रीवास्तव के साथ मिलकर पूरी की।

बच्ची को अचानक बेहोशी, हाथ-पैरों में लकवा जैसे लक्षण और

बार-बार बेहोश होने की स्थिति में गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। आपातकालीन जांच में एमआरआई, सीटी स्कैन और एंजियोग्राफी से मस्तिष्क की गहरी शिरा में खून का थक्का पाया गया। इस स्थिति को सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस कहा जाता है, जो समय पर उपचार न मिलने पर गंभीर मस्तिष्क को गहरे नुकसान या मृत्यु का कारण बन सकती है।बाल रोग विभाग की टीम ने प्रारंभ में स्टैंडर्ड इलाज शुरू किया। जिसमें डॉ. सिद्धार्थ कुँवर, डॉ. सिद्धार्थ और डॉ. निशांत गोपाल शामिल रहे। लेकिन स्थिति की गंभीरता और सीमित सुधार को देखते हुए चिकित्सकों ने इंट्राक्रेनियल कैथेटर डायरेक्टेड थ्रोम्बोलाइसिस करने का फैसला लिया। इतनी कम उम्र के मरीज में यह प्रक्रिया बेहद दुर्लभ मानी जाती है प्रक्रिया के दौरान पैर में एक छोटा छेद कर सूक्ष्म कैथेटर डाला गया और उसे रक्त वाहिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क की प्रभावित गहरी शिरा तक सावधानीपूर्वक पहुंचाया गया। इसके बाद थक्का घोलने वाली दवा सीधे उसी स्थान पर दी गई। चार दिनों तक लगातार निगरानी के साथ सीटी स्कैन और एंजियोग्राफी की गई, जिसके बाद थक्का पूरी तरह घुल गया इसके बाद बच्ची को इंटेंसिव केयर में रखा गया, धीरे-धीरे वेंटिलेटर से हटाया गया और विशेष चिकित्सा देखरेख जारी रही। लगभग तीन सप्ताह के उपचार के बाद उसे स्थिर अवस्था में छुट्टी दे दी गई। वर्तमान में वह चलने, बोलने और सामान्य दैनिक गतिविधियां करने में सक्षम है।

डॉ. देवांश मिश्रा ने कहा, 'मस्तिष्क की गहरी शिराओं में खून का थक्का बनना बच्चों में अत्यंत गंभीर और जानलेवा स्थिति होती है। इस प्रकार की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा लिटरेचर में भी बहुत कम दर्ज है और उत्तर प्रदेश में यह पहला मामला है।'

नेपाल के बाद सुलग रहा श्रीलंका, जेन-ज़ी नहीं साधु उतरे सरकार के खिलाफ, फिर होगा तख्तापलट?

श्रीलंका की राजधानी में बौद्ध भिक्षुओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि देश के बहुसंख्यक धर्म 'बौद्ध धर्म' और भिक्षुओं को बदनाम करने के लिए एक संगठित अभियान चलाया जा रहा है। भिक्षुओं का आरोप है कि यह सिर्फ सामान्य आलोचना नहीं है, बल्कि प्लानिंग के साथ किया जा रहा प्रयास है, जिससे बौद्ध धर्म की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके।

सरकार को दिया अल्टीमेटम

अपनी बरत रखते हुए भिक्षुओं ने 10-सूत्रीय मांग जारी किया है। उनका कहना है कि बौद्ध धर्म की प्रतिष्ठा को 'राजनीतिक रूप से कमजोर' किया जा रहा है और इस पर सरकार को तुरंत ध्यान देना चाहिए। उनका मानना है कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए तो हालात सरकार की हद से बाहर सकते हैं।

क्या है मामला?

भिक्षुओं का दावा है कि निहित स्वार्थों द्वारा संगठित सोशल मीडिया अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका मकसद बौद्ध धर्म और भिक्षुओं को बदनाम करना है। इस पर एक अन्य प्रमुख भिक्षु वेन कोट्टापोला रत्नपाला ने सरकार से इसे रोकने का आग्रह किया है। पिछले एक साल में कुछ राजनेताओं द्वारा खुले तौर पर बौद्ध भिक्षुओं की आलोचना भी की गई है, जिससे तनाव और बढ़ गया है। और विवाद

जिलाधिकारी ने तहसील चायल में सुनी जनशिकायतें

जनपद कौशाम्बी के सभी तहसीलों में आज सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने तहसील चायल में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना-पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील मंझनपुर में कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील सिराथू में कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

ओवरलोड डंपरों व अवैध खनन को लेकर गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

कौशांबी` जनपद के थाना सैनी क्षेत्र में ओवरलोड डंपरों के संचालन को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि बालू एवं मिट्टी से लदे ओवरलोड वाहन तेज रफ्तार में सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे आम जनता की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है।

एक व्यक्ति द्वारा वीडियो बनाए जाने पर कथित रूप से सुनील तिवारी नामक व्यक्ति द्वारा धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकताओं का कहना है कि संबंधित व्यक्ति ने 'सब सेटिंग से चलता है' जैसी बात कही। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

वहीं थाना कोखराज के अंतर्गत भरवारी चौकी क्षेत्र में भी अवैध मिट्टी खनन जारी होने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना वैध अनुमति के लगातार

कोखराज थाने में पीस कमेटी की बैठक करते थानाध्यक्ष। छाया आज

खनन कार्य किया जा रहा है।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोडिंग और अवैध खनन की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और कानून व्यवस्था बनी रहे।

समाचार लिखे जाने तक संबंधित विभागों की ओर से कोई आधिकारिक बयान प्राप्त नहीं हुआ था।

फरह पुलिस और स्वॉट टीम ने मुठभेड़ में 25 हजार के ईनामी लुटेरे को दोनों पैरों से किया लंगड़ा : अवैध हथियार, नगदी और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद

–ताबड़तोड़ महिलाओं के कानों से कुंडल लूटकर शातिरों ने पुलिस को दी थी चुनौती

मथुरा (जीएनएस)। थाना फरह क्षेत्र स्थित परखम रोड़ पर फरह पुलिस और स्वॉट टीम की 25 हजार के ईनामी कुख्यात बदमाश से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में ईनामी बदमाश के दोनों पैरों में सरकारी पीतल धंस गई। पकड़ा गया ईनामी बदमाश, महिलाओं के कानों से कुंडल लूट की वारदातों में मुख्य आरोपी है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान के नेतृत्व में थाना प्रभारी फरह छोटेलाल और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ महिलाओं के कानों से कुंडल छीनने वाले गैंग के ईनामी सरगना की तलाश में सुराग तलाश रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि फरार चल रहा 25 हजार का ईनामी कुख्यात बदमाश कहीं भागने की फिराक में परखम रोड़ स्थित गोवर्धन नाले के पास खड़ा हुआ है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी छोटेलाल और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम में कस्बा चौकी प्रभारी अजय सिंह मलिक, चौकी प्रभारी रैपुराजाट तेजेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी महुअन टोल प्लाजा अभिलाख सिंह, एसआई अमित चौहान, स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी हरजेंद्र सिंह, दुर्विजय सिंह, अखिल प्रताप सि, रमन चौधरी, योगेश कुमार, आशुतोष और थाना फरह के मुख्य आरक्षी सर्वेश सिंह, विनय कुमार, पंकज कुमार, सर्वेश सिंह, अखिलेश कुमार, राजकुमार तथा रोहित कुमार के साथ वहां पहुंच गए। फरह पुलिस और स्वॉट टीम ने ईनामी बदमाश को दबोचने के लिए संयुक्त रूप से घेराबंदी की तो शातिर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो ईनामी बदमाश रामजीत पुत्र बृजलाल निवासी गांव पिपरौठ थाना फरह के दोनों पैरों में पुलिस की गोली धंस गईं। पुलिस टीम ने घायल बदमाश को गिरफ्तार करने के बाद ईलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए ईनामी के कब्जे से 1 तमंचा, कारतूस, लूटे गए माल को बेचकर हिस्से में आए 24 हजार रूपए और घटना में प्रयुक्त पैशन-प्रो बाइक बरामद हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान ने बताया कि मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर विगत 8 फरवरी को कुरकन्दा मोड़ पर, 13 फरवरी को हिन्दुस्तान कॉलेज के पास से, 15 फरवरी को फरह में ब्लॉक के पास और 18 फरवरी को मां की रसोई होटल के पास पीड़ित महिलाओं के कानों से कुंडल लूटे थे। बताया कि विगत 15 फरवरी को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाश रामजीत के साथी रवि पुत्र बाबूलाल और महेन्द्र उर्फ हल्के को मुठभेड़ में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाश के ऊपर तीन दर्जन से अधिक गंभीर धाराओं में मुकदमें दर्ज है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक संस्था और छात्रों ने चलाया अभियान

अधिकारियों ने श्रमदान करके छात्रों को किया प्रेरित

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण की नगरी में यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए गऊघाट पर जिला प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं तथा छात्रों ने संयुक्त रुप से सफाई अभियान प्रारंभ किया है। इस बीच "यमुना क्लीन-अप ड्राइव' के माध्यम से न केवल घाटों की सफाई की गई बल्कि 'लेट्स सेव आवर रिवर' (अपनी नदी बचाओ) के नारे के साथ ब्रज मंडल को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान में अधिकारियों ने निर्देश देने के साथ ही स्वयं हाथों में झाड़ू लेकर कूड़ा हटाते हुए श्रमदान किया। जानकारी के अनुसार मथुरा-वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जगप्रवेश, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल और अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह ने सबसे आगे श्रमदान करके युवाओं को यमुना के स्वच्छता अभियान में अनवरत शामिल होने के लिए प्रेरित किया। यह स्वच्छता अभियान नगर निगम प्रशासन, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, लिविंग पीस प्रोजेक्ट्स फाउंडेशन और वैल्यूसेंट फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चलाया गया। कार्यक्रम में लिविंग पीस प्रोजेक्ट्स फाउंडेशन की अध्यक्ष ब्रिगिट मैडलीन

वैन बेरेन की मौजूदगी ने स्वच्छता अभियान को अंतरराष्ट्रीय पटल पर पहचान दी है। इस मौके पर तकनीकी निदेशक बारोरुचि मिश्रा और सलाहकार डा. विकास चतुर्वेदी (सीए) ने भी यमुना संरक्षण के लिए तकनीकी और सामाजिक ढांचे पर बल दिया। इसी के साथ गुड़गांव के पाथवेज वर्ल्ड स्कूल और मथुरा-वृंदावन के कन्हा माखन स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जिस ऊर्जा के साथ यमुना घाट की सफाई की, उससे यह भरोसा हुआ कि आने वाली पीढ़ी अपनी विरासत को बचाने के लिए जागरूक हो रही है। इस मौके पर नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि श्रीधाम मथुरा-वृंदावन, विश्व के प्रमुख तीर्थ हैं। कहा कि जब विद्यार्थी ऐसे अभियानों से जुड़ते हैं तो स्वच्छता की गूंज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच जाती है। वहीं उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल ने कहा कि घाटों की स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि यह हम सभी की जिम्मेदारी और भक्ति का भाव है। इस बीच सफाई अभियान में नगर निगम के जोनल सेनेटरी ऑफिसर, क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक, किंग ग्रुप और नेचर ग्रीन के कर्मचारी भी पूरी साथ में जुटे रहे। स्वच्छता अभियान के समापन पर मौजूद सभी अधिकारी, स्वंयसेवी संस्था और छात्रों ने यमुना को हमेशा स्वच्छ रखने की शपथ ली।

चतुर्वेदी समाज धूमधाम से निकालेगा तीन मार्च को होली का डोला

मथुरा (जीएनएस)। ब्रज में रंगोत्सव की धूम प्रारंभ हो चुकी है। श्रीकृष्ण की नगरी विभिन्न स्थानों पर होली के कार्यक्रम हो रहे हैं। इस बीच चतुर्वेदी समाज भी आगामी तीन मार्च को धूमधाम से होली का डोला निकालेगा। इस संबंध में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक एवं माथुर चतुर्वेद परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक द्वारा चतुर्वेदी समाजवाडी में प्रेस वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बार चतुर्वेदी समाज का होली डोला बहुत ही भव्यता के साथ सामाजिक रीति-रिवाज एवं ठाकुर जी के स्वरूप के अनुसार निकाला जाएगा। इस डोले में चतुर्वेदी समाज के लोग होली की गाने गाते हुए निकलेंगे। बताया कि डोले में भारतवर्ष और विदेश से भी तीर्थयात्री आते हैं। इसलिए श्री पाठक

ने यह सभी लोगों से अपील करते हुए कहा की किसी भी तीर्थयात्री के साथ कोई अभद्रता ना हो और सभी लोग केवल टेशू के फूल के रंग व अबीर गुलाल ही उड़ाएं, किसी भी प्रकार के गीले रंग या सादा पानी किसी के ऊपर ना डालें। प्रेसवार्ता का संचालन करते हुए माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मेले को भव्य बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से सभी झांकियों को डीजे पर लगाया जाएगा और युवा समिति और परिषद के पदाधिकारीयों को पूरी जिम्मेदारी दी जाएगी तथा मेले को चार भागों में विभाजित किया जाएगा। कहा कि द्वारकाधीश मंदिर से होलीगेट तक की जिम्मेदारी अलग दी जाएगी और होलीगेट से कोतवाली रोड़ तक की जिम्मेदारी तथा भरतपुर गेट से चौक बाजार व चौक बाजार से विश्राम घाट तक चार भागों में मेले को बांटा जाएगा। इस अवसर पर संरक्षक नवीन नागर, गरधारीलाल पाठक, उमाकांत चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, मनोज चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मनीष चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष दुबई शाखा नीरज चतुर्वेदी, संजय मंत्री, मनोज पाठक, रितेश पाठक सौरभ चतुर्वेदी, सोनू चतुर्वेदी, गोपाल बौहरे युवा समिति अध्यक्ष, सौरभ अभिषेक चतुर्वेदी और सौरभ चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही कार्यक्रम में ब्रज विकास परिषद का भी सहयोग रहता है।

उमा मोटर्स पर मारुति की पहली इलैक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा हुई लांच

सिंगल चार्ज में चलेगी साढ़े पांच सौ किमी.

मथुरा (जीएनएस)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित उमा मोटर्स नेक्सा शोरूम में हुए कार्यक्रम में ऑटोमोबाईल जगत में हलचल मचा दी है। काफी समय से इंतजार कर रहे लोगों के बीच मारुति सुजुकी की पहली पूर्णतः इलैक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा का अनावरण किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी और उमा मोटर्स के एमडी पवन चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। इस अवसर पर ब्रजबिहार ग्रुप के ब्रह्मानंद चतुर्वेदी, ब्रज हीरो के निदेशक विजय चतुर्वेदी, उमा मोटर्स के निदेशक गौरव चतुर्वेदी, पीयूष चतुर्वेदी और पार्थ चतुर्वेदी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर विस्टा आर्किटेक्ट्स के समर्थ चतुर्वेदी समेत प्रतिष्ठित उद्यमी और ऑटोमोबाइल प्रेमी मौजूद रहे। इस अवसर पर उमा मोटर्स के निदेशक

पीयूष चतुर्वेदी ने बताया कि लांच हुई ई-विटारा, मारुति सुजुकी कंपनी की तकनीक और भरोसे का नया चेहरा है। लांच हुई ई-विटारा की प्रारंभिक एक्स शोरूम कीमत 10 लाख 99 हजार से 19 लाख 99 हजार तक है। बताया कि एक बार में फुल चार्ज होने पर यह 550 किमी. की दूरी तय करेगी। इसी के साथ डीसी फास्ट चार्जर से मात्र 45 से 50 मिनट में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज होती है। ई-विटारा कार में 10.25 इंच टचस्क्रीन, 360 डिग्री कैमरा और वायरलेस एप्पल कारप्ले एंड्रॉइड ऑटो जैसे फीचर मिलेंगे। इस मॉडल में 40.5 किलोवाट, घंटा की उन्नत बैटरी दी गई है। इसके साथ ही एलईडी हेडलाइट्स, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और स्मार्टफोन एप कंट्रोल जैसी सुविधाएं इसे भविष्य की बेहतर कार बनाती हैं। लांच के दौरान ग्राहकों का उत्साह देखने लायक था। इस मौके पर चोला फाइनेंस के डिविजनल मैनेजर मोहित, केनरा बैंक के डिविजनल मैनेजर मानस, सेल्स मैनेजर सौरभ भाटिया और दीपक चौधरी भी शामिल हुए। पर्यावरण के जानकारों का मानना है कि ई-विटारा का आगमन पर्यावरण संरक्षण और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

नौहझील पुलिस ने फरार चल रहे बदमाश को दबोचा : अवैध हथियार और कारतूस बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित पारसौली के पास से पुलिस ने फरार चल रहे बदमाश को अवैध हथियार समेत दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें

मुखबिर से सूचना मिली कि फरार चल रहा एक बदमाश कहीं भागने की फिराक में गांव पारसौली के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे वांछित अपराधी रोबिन पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी गांव जरैलिया थाना नौहझील को घेराबंदी करके दबोच लिया।

पुलिस ने मादक पदार्थ समेत एक तस्कर को किया गिरफ्तार

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित रायपुर रोड़ से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह और एसआई विदित अम्बावत पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गांव रायपुर रोड़ पर एक मादक पदार्थ तस्कर गांजा बेच रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह और एसआई विदित अम्बावत पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे तस्कर हरेन्द्र पुत्र झंकी निवासी गांव बरौठ थाना नौहझील को दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके पास से 3 सौ 47 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल न्यायालय भेज दिया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

उपमुख्यमंत्री पवार के विमान हादसे को लेकर 20 दिन बाद अभी भी उठ रहे सवाल

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के विमान हादसे के करीब 20 दिन बाद उनके बेटे ने चुप्पी तोड़ी। अजित पवार के छोटे बेटे जय पवार ने एक बेहद भावुक पोस्ट के जरिए जांच पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जय पवार ने सीधे तौर पर कहा है कि विमान का ब्लैक बाक्स इतनी आसानी से नष्ट होने वाली चीज नहीं है। बता दें कि किसी भी विमान हादसे में जब सब वुछ नष्ट हो जाता है तो उसके अंदर ब्लैक बॉक्स न तो आग से, पानी से, जमीन पर गिरने से, विस्फोट से नष्ट नहीं होता। 20 वर्षो तक वह सुरक्षित रहता है। जय पवार ने साफ तौर पर कहा है कि ब्लैक बॉक्स इतनी आसानी से नष्ट होने वाली चीज नहीं है, जैसा कि दावा किया जा रहा है। जनता को सब जानने का हक है। जय पवार ने सिस्टम को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने लिखा विमान दुर्घटना में ब्लैक बॉक्स आसानी से नष्ट नहीं हो सकते। महाराष्ट्र की जनता को इस दिल दहला देने वाली दुर्घटना का पूरा, पारदर्शक और निर्विवाद सत्य जानने का अधिकार है। जय पवार ने विमान वंपनी वीएसआर के खिलाफ तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस वंपनी के उड़ान व संचालन पर तुरन्त प्रातिबंध लगाया जाना चाहिए और विमानों के रखरखाव में हुई संभावित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पोस्ट के अंत में उन्होंने बेहद भावुक होकर लिखा : मिस यू डैड। उधर अजित पवार के भतीजे और विधायक रोहित पवार ने कहा कि अजित दादा पवार की आकस्मिक मृत्यु में साजिश की आशंका है। रोहित पवार ने मुंबई में दावा किया कि कई सूत्रों से विस्तृत जानकारी जुटाने के बाद ही वह प्रोस कांप्रोंस कर रहे हैं। प्रोस कांप्रोंस में रोहित पवार ने कहा कि उन्हें एयरलाइंस वंपनी वीएसआर, बुकिग संभालने वाली वंपनी एरो और पायलट सुमित कपूर पर संदेह हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले में जानकारी इसलिए जुटानी पड़ी क्योंकि जांच एजेसियां बहुत धीमी गति से काम कर रही है। अजित दादा पवार परिवार और एनसीपी ने अब इस मामले की सीबीआई जांच की मांग तेज कर दी है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुलाकात कर इस मामले में उच्चस्तरीय जांच का निवेदन सौंपा है। प्रापुल्ल पटेल, हसन मुश्रीफ, सुनील तटकरे और पार्थ पवार जैसे दिग्गजों की मौजूदगी में सरकार से मांग की गई है कि इस हादसे के पीछे की हर साजिश या लापरवाही का पदार्फाश होना चाहिए। इनका सीधा निशाना उस एविएशन वंपनी पर है जिसका विमान इस हादसे का शिकार हुआ। आरोप लग रहे हैं कि क्या विमान की सर्विसिग और सुरक्षा मानकों में कोई कोताही बरती गई थी? 28 जनवरी को हुए इस हादसे में अजित दादा पवार सहित वुल 5 लोगों ने अपनी जान गंवाई। इस घटना के बाद से ही यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह मात्र एक दुर्घटना थी या कोई गहरी साजिश? आदरणीय अजित दादा पवार के आकस्मिक निधन से पूरे महाराष्ट्र को गहरा धक्का लगा है, यह कहना है सांसद सुप्रिया सुले का। एनसीपी (शरद गुट) ने मांग की है कि इस दुर्घटना की जांच पूरी होने तक नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू को उनके पद से हटा दिया जाए। हमारा भी मानना है कि इस मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र जांच आवश्यक है ताकि दुर्घटना के कारणों का साफ पता चले पर ऐसा होगा क्या?

'32 साल, 32 घंटे, ये फर्क है',अमित शाह से मिलते ही भूपेन बोरा का कांग्रेस पर वार, 8 मार्च को होगा खेला

(जीएनएस)।

चुनावी राज्य असम की राजनीति में आज (21 फरवरी) एक बयान सबसे ज्यादा चर्चा में है- "32 साल बनाम 32 घंटे, फर्क साफ है।" यह बयान किसी आम कार्यकर्ता का नहीं, बल्कि लंबे समय तक कांग्रेस का चेहरा रहे भूपेन बोरा का है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद बोरा ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोला और संकेत दिया कि यह तो सिर्फ शुरूआत है, आगे और भी नेता बीजेपी का दामन थाम सकते हैं।

करीब तीन दशक तक कांग्रेस से जुड़े रहे भूपेन बोरा ने हाल ही में पार्टी से इस्तीफा दिया। वे 2021 से 2025 तक असम प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष भी रहे। ऐसे में उनका जाना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 22 फरवरी को वे औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं।

अमित शाह से मुलाकात के बाद बोरा ने कहा कि 32 साल तक कांग्रेस में रहने के बावजूद उन्हें जो सम्मान नहीं मिला, वह बीजेपी में 32 घंटे के भीतर मिल गया। उन्होंने गृह मंत्री और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा का आभार जताते हुए कहा कि परिवर्तन साफ दिखाई दे रहा है। इस मुलाकात में बैजयंत पांडा भी मौजूद थे।

भूपेन बोरा ने एक्स पर लिखा,

"32 साल बनाम 32 घंटे, ये फर्क साफ दिख रहा है। कल की मीटिंग के लिए गृह मंत्री अमित शाह और एक दिन पहले मेरे घर आने के लिए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का धन्यवाद हूं। बदलाव साफ दिख रहा

भूपेन बोरा बोले- '8 मार्च तक और आएंगे नेता'

ठळ्ळश चैनल से बातचीत में बोरा ने दावा किया कि 8 मार्च तक कई और कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद अमित शाह को इस बारे में जानकारी दी है। बोरा ने अमित शाह की रणनीतिक सोच की तारीफ करते हुए कहा कि वे सिर्फ वर्तमान राजनीति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर फैसले लेते हैं।

उन्होंने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर भी टिप्पणी की। बोरा का कहना था कि असम अभियानों के दौरान वे हमेशा उन्हें मुस्कुराते हुए देखते थे, लेकिन इस बार वे चिंतित

नजर आई। वहीं गौरव गोगोई पर उन्होंने आरोप लगाया कि पहले उन्हें पार्टी का मजबूत स्तंभ बताया गया और बाद में उन्हीं पर बेबुनियाद आरोप लगाए गए।

भूपेन बोरा की इस्तीफा का और कांग्रेस की चुनावी रणनीति

असम में चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए कांग्रेस ने गौरव गोगोई को अहम जिम्मेदारी दी थी। प्रियंका गांधी, मधुसूदन मिस्त्री और डीके शिवकुमार जैसे नेताओं को भी मोर्चे पर लगाया गया था। इसके बावजूद भूपने बोरा का इस्तीफा कांग्रेस के अभियान की रफ्तार पर असर डालता दिख रहा है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि बीजेपी ने यह 'ऑपरेशन' कैसे सफल कर लिया।

भूपेन बोरा की एंट्री को बीजेपी पूरी तरह भुनाने के मूड में है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने मुलाकात के बाद कहा कि भूपेन बोरा कांग्रेस के आखिरी हिंदू नेता थे। यह बयान अपने आप में सियासी संदेश देता है। सरमा पहले भी कह चुके हैं कि जो नेता विकास, स्थिरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन में भरोसा रखते हैं, वे स्वेच्छा से बीजेपी में आ रहे हैं।

आगे क्या संकेत?

भूपेन बोरा का जाना सिर्फ एक नेता का पाला बदलना नहीं, बल्कि असम की राजनीति में शक्ति संतुलन के बदलने का संकेत माना जा रहा है। खासकर ऊपरी असम में बोरा का प्रभाव बीजेपी को चुनावी बढ़त दे सकता है।

अब निगाहें 22 फरवरी पर टिकी हैं, जब बोरा औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल होंगे। उनका दावा है कि यह सिलसिला यहीं नहीं रुकेगा। ऐसे में सवाल बड़ा है- क्या कांग्रेस असम में इस झटके से उबर पाएगी, या '32 साल बनाम 32 घंटे' वाली लाइन आने वाले चुनावों की नई राजनीतिक कहानी लिख देगी।

बेंगलुरू से गोवा के लिए जल्द शुरू होगी वंदे भारत एक्सप्रेस, क्या होगा रूट और समय

(जीएनएस)।

बेंगलुरू से गोवा यात्रा करने वाले यात्रियों को जल्द बड़ा तोहफा मिलने वाला है। बेंगलुरू से गोवा के बीच में जल्द ही वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हो सकती है। रेल मंत्रालय ने बेंगलुरु के यशवंतपुर और गोवा के मडगांव के बीच एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का प्रस्ताव दिया है।

हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा कोस्टल वंदे भारत एक्सप्रेस सर्विस शुरू का ऐलान किया था, जिसके बाद रेलवे ने बेंगलुरू से गोवा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए प्रस्तापव भेज दिया है। आइए जानते हैं क्या होगा रूट और कितने घंटे में पूरा हो ये सफर?

यह सेवा मंगलुरु रेलवे क्षेत्र से होकर गुजरेगी, जिससे इस रूट पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएँ मिलेंगी। प्रस्तावित मार्ग के अनुसार, यह ट्रेन मंगलुरु जंक्शन और मंगलुरु सेंट्रल स्टेशनों को दरकिनार करते हुए पडिल बाईपास के रास्ते चलेगी।

बेंगलुरू से गोवा का सफर कितने घंटे में होगा पूरा?

इस वंदे भारत एक्सप्रेस को एक दिशा की यात्रा पूरी करने में लगभग

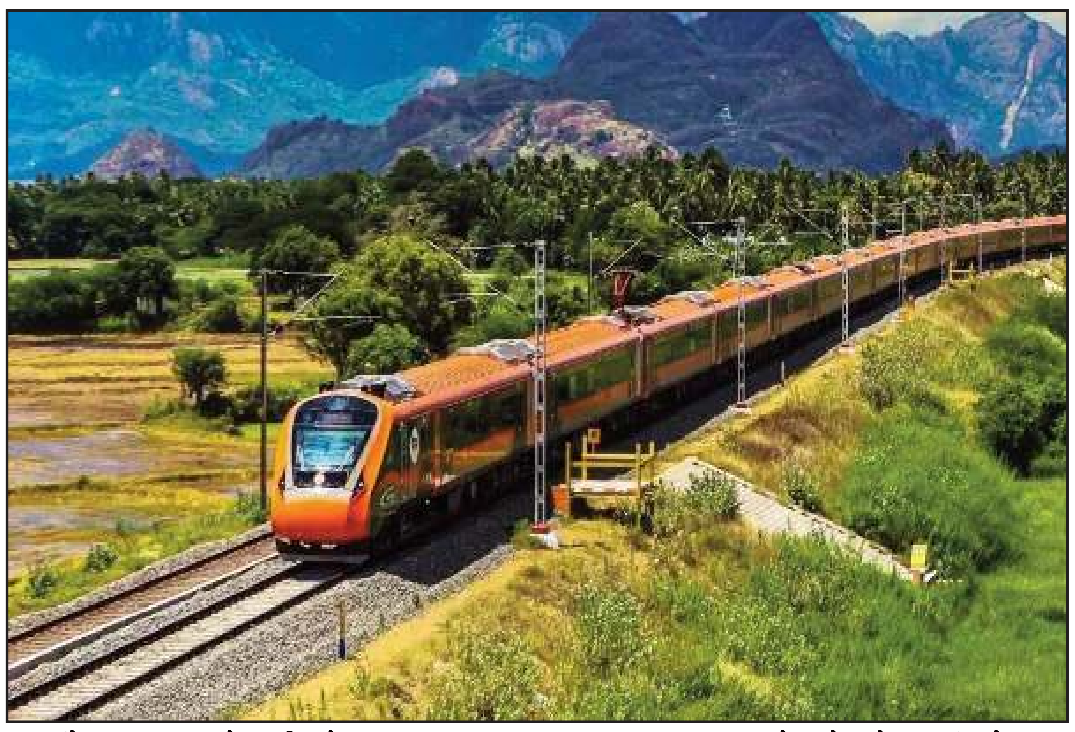

13 घंटे का समय लगेगा, जिससे दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण शहरों से गोवा का सफर आसान हो जाएगा।

यशवंतपुर और मडगांव से चलेगी वंदे भारत

दक्षिण पश्चिम रेलवे (SWR) ने स्पष्ट किया कि यदि ट्रेन मंगलुरु जंक्शन से चलाई जाती है, तो यात्रा का समय बढ़ जाएगा। इस सेवा के लिए दो वंदे भारत रेक की आवश्यकता होगी, एक यशवंतपुर से और दूसरी मडगांव से सुबह चलकर शाम तक अपने गंतव्य पर पहुंचेगी, ताकि सेवा की निरंतरता बनी रहे।

क्या होगा बेंगलुरू से गोवा वंदे भारत का समय?

हालांकि अभी समय नहीं निर्धारित किया गया है लेकिन अस्थायी समय सारणी के अनुसार, यशवंतपुर-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 6:05 बजे यशवंतपुर (बेंगलुरु में) से रवाना होगी। यह दोपहर 2 बजे पडिल पहुंचकर शाम 7:15 बजे मडगांव में अपनी यात्रा समाप्त करेगी, जिसमें कुल 13 घंटे 10 मिनट का समय लगेगा।

मडगांव से बेंगुलरू वापसी का क्या होगा रूट और समय?

मडगांव से वापसी की यात्रा में, मडगांव-यशवंतपुर वंदे भारत एक्सप्रेस गोवा के मडगांव से सुबह 5:30 बजे चलेगी और सुबह 11 बजे पडिल पहुंचेगी। यह ट्रेन शाम 6:40 बजे यशवंतपुर में अपनी यात्रा समाप्त करेगी। इस दिशा में भी यात्रा का कुल समय 13 घंटे 10 मिनट ही रहेगा।

रेल मंत्रालय ने बताया कि इस प्रस्तावित सर्विस की औसत गति 50 किमी प्रति घंटे से कम है। हालांकि, रहफ के अनुसार, चिकबनावरा और हसन के बीच गति सीमा 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटे, और सकलेशपुर-सुब्रमण्य रोड घाट सेक् शन पर 30 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 40 किमी प्रति घंटे करने के बाद इसकी रफ्तार बढ़ाई जा सकती है।

अंतिम शेड्यूल तय करने से पहले, रहफ को ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग (अएइ) प्रणाली से लैस दो वंदे भारत रेकों का उपयोग करके ट्रायल रन करने होंगे। इसके अलावा, हाल ही में विद्युतीकृत हसन-थोकुर (मंगलुरु) खंड में ओवरहेड इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट (डऌए) प्रणाली को प्रमाणित और सक्रिय करना भी अनिवार्य है।

सेवा के समय सकलेशपुर घाट खंड पर 30 किमी प्रति घंटे की गति सीमा और ट्रेनों के क्रॉसिंग सहित प्रतिबंधों को ध्यान में रखकर निर्धारित किए गए हैं। यह प्रावधान सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करता है, विशेषकर कठिन पहाड़ी मार्गों पर।

रहफ ने यशवंतपुर-हसन-यशवंतपुर खंड (174 किमी) पर प्रस्तावित वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए लगभग तीन घंटे (2.55 घंटे) आवंटित किए हैं। यह डरफ बेंगलुरु-कन्नूर एक्सप्रेस (16511/12) के 2.45/3 घंटे और डरफ बेंगलुरु-कारवार पंचगंगा एक्सप्रेस (16595/96) के 2.30 घंटे के यात्रा समय से तुलनीय है।

प्राइवेट गाड़ियों की तुलना में कमर्शियल गाड़ियों में एक्सीडेंट की गंभीरता अधिक

लखनऊ, 21 फरवरी 2025: भारत का कमर्शियल गाड़ी सेगमेंट सिर्फ मोबिलिटी से नहीं जुड़ा है, बल्कि यह इकोनॉमी के अलग-अलग सेक्टर को भी आपस में जोड़ता है। आम तौर पर यह समझा जाता है कि मोटर इंश्योरेंस सिर्फ प्राइवेट गाड़ियों से जुड़ा मसला है, लेकिन ऐसा नहीं है, कमर्शियल गाड़ियों के लिए भी प्रोटेक्शन उतना ही आवश्यक है। हर साल भारत में लगभग 30 लाख कमर्शियल वाहनों (जिनमें ट्रैक्टर और थ्री-व्हीलर भी शामिल हैं) का उत्पादन और बिक्री होती है। ये वाहन अनगिनत उद्योगों और उनके उत्पादों की आवाजाही को लगातार बनाए रखते हैं और अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थामे रखते हैं। फिर भी, देश की अर्थव्यवस्था के लिए इतना अहम यह क्षेत्र, देश में व्याप्त बीमा की कमी (अंडरइंश्योरेंस) की समस्या से अछूता नहीं है।

policybazaar.com
HAR FAMILY HOGI INSURED

मोटर इंश्योरेंस एक कानूनी जरूरत है, लेकिन कमर्शियल सेगमेंट में अंडरइंश्योरेंस अक्सर बहुत कम थर्ड-पार्टी कवर, कम इंश्योर्ड डिक्लेयर्ड वैल्यू, या जरूरी ऐड-ऑन की कमी के रूप में होता है। सरकार और इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक, माल ढुलाई ही भारत की जीडीपी का लगभग 14% है, जिसमें सड़क परिवहन देश के माल की मात्रा का 65% से ज्यादा हिस्सा ढोता है। एक ऐसे सेगमेंट के लिए जो कम मार्जिन और ज्यादा इस्तेमाल पर काम करता है, रिस्क और प्रोटेक्शन के बीच यह अंतर वल्नरेबिलिटी का एक बड़ा कारण बनता है।

कमर्शियल गाड़ियां अत्यावश्यक कैटेगरी में आती हैं। यहां हम बता रहे हैं कि उनका सही तरीके से इंश्योरेंस कैसे किया जा सकता है।

हाई-रिस्क, हाई लायबिलिटी सेगमेंट को कवर करना

कमर्शियल गाड़ियों अपनी बनावट और कामकाज के कारण अधिक रिस्क उठाते हैं। ये वाहन लंबी दूरी तय करते हैं, सालाना ज्यादा माइलेज देती हैं, कम डिलीवरी टाइमलाइन में चलती हैं, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है और सबसे जरूरी बात, ज्यादा लोड उठाती हैं। इन सब कारणों से प्राइवेट गाड़ियों की तुलना में कमर्शियल गाड़ियों में एक्सीडेंट की गंभीरता अधिक होती है, थर्ड-पार्टी लायबिलिटी का खतरा ज्यादा होता है और मरम्मत का खर्च भी काफी अधिक आता है।

इंडस्ट्री डेटा से पता चलता है कि कमर्शियल गाड़ियों का मोटर इंश्योरेंस क्लेम और ओन-डैमेज लॉस में काफी बड़ा हिस्सा होता है, भले ही उनकी संख्या टू-व्हीलर और कारों से कम हो। साथ ही, स्पेयर पार्ट्स की महंगाई, गाड़ी के ज्यादा डाउनटाइम और लायबिलिटी मामलों में ज्यादा कानूनी मुआवजे की वजह से क्लेम की लागत लगातार बढ़ रही है। इंश्योरेंस प्रीमियम उन रिस्क को दिखाते हैं जिन्हें कवर करने की जरूरत होती है।

कमर्शियल गाड़ियों में अंडरइंश्योरेंस और इससे होने वाला रिस्क

कई वाहन मालिकों के लिए इंश्योरेंस को एक कम्प्लायंस चेकबॉक्स के तौर पर देखा जाता है, सिर्फ इसलिए क्योंकि कानून के तहत इसकी आवश्यकता है। अक्सर, वे कवरेज गैप को समझे बिना सबसे सस्ती पॉलिसी चुन लेते हैं। कुछ लोग लिमिटेड थर्ड-पार्टी कवर और कम आईडीवी चुन सकते हैं, तो कुछ लोग जीरो-डेप और रोडसाइड असिस्टेंस जैसे ऐड-ऑन नहीं ले पाते। जैसे-जैसे रिपेयर का खर्च बढ़ता है और गाड़ी की टेक्नोलॉजी ज्यादा मुश्किल होती जाती है, ये कमियां महंगी गलतियां बनती जा रही हैं।

रिन्यूअल के दौरान जो ₹2,000 की बचत लगती है, वह क्लेम के दौरान ₹1-2 लाख के आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च में बदल सकती है। कमर्शियल गाड़ी का इंश्योरेंस असल में बिजनेस को जारी रखने के बारे में है। एक भी एक्सीडेंट, चोरी या प्राकृतिक आपदा हफ्तों तक इनकम रोक सकती है। मालिक-ड्राइवरों के लिए, इसका मतलब तुरंत फाइनेंशियल स्ट्रेस हो सकता है। फ्लीट ऑपरेटरों के लिए, यह डिलीवरी टाइमलाइन और कॉन्ट्रैक्ट की जिम्मेदारियों को बिगाड़ सकता है। कई मामलों में, अंडरइंश्योरेंस खुद इंश्योरेंस से कहीं ज्यादा महंगा हो जाता है।

क्लेम का अनुभव प्रीमियम से ज्यादा क्यों मायने रखता है

कोई भी इंश्योरेंस पॉलिसी क्लेम के समय अपनी कीमत साबित करती है। कमर्शियल गाड़ी का इंश्योरेंस भी इससे अलग नहीं है। इस सेगमेंट में डाउनटाइम अक्सर रिपेयर बिल से भी ज्यादा नुकसानदायक होता है। ट्रक या बस का कई दिनों या हफ्तों तक सड़क से गायब रहना सीधे तौर पर राजस्व के नुकसान, कॉन्ट्रैक्ट में रुकावट और बढ़ते फिक्स्ड खर्चों में बदल जाता है। देर से होने वाले सर्वे और डॉक्यूमेंटेशन की दिक्कतों से रिपेयर का समय बिजनेस की क्षमता से कहीं ज्यादा बढ़ सकता है। इसलिए, पॉलिसी तय करने से पहले क्लेम सेटलमेंट रिकॉर्ड, इंस्पेक्शन की स्पीड, कैशलेस गैरेज तक पहुंच और डेडिकेटेड कमर्शियल व्हीकल सपोर्ट की उपलब्धता का मूल्यांकन करना बहुत जरूरी हो जाता है। क्लेम के दौरान फेल होने वाला इंश्योरेंस अपने मकसद को ही खत्म कर देता है।

टेक्नोलॉजी और खरीदने में आसानी

सालों से, कमर्शियल व्हीकल इंश्योरेंस आमतौर पर परमिट या फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू करते समय लोकल एजेंट से खरीदा जाता रहा है। इस वजह से, मालिक अपने ऑप्शन की तुलना नहीं करते हैं और जो भी ऑफर किया जाता है या तुरंत उपलब्ध होता है, उसे खरीद लेते हैं। लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाने से यह समीकरण बदल रहा है। टेक्नोलॉजी न केवल स्पीड देती है बल्कि किफायती और पूरी ट्रांसपेरेंसी भी देती है।

पॉलिसी एक दिन में जारी हो सकती है। इसके साथ ही, एक ही जगह पर कई इंश्योरेंस कंपनियों की पॉलिसी, कवरेज स्ट्रक्चर और कीमतों की तुलना करने की सुविधा उपलब्ध है। यह वॉल्यूम को देखते हुए फ्लीट मालिकों के लिए खास तौर पर फायदेमंद है। समय के साथ, इससे एडमिनिस्ट्रेटिव फ्रिक्शन और यहां तक कि रिन्यूअल प्रोसेस भी कम हो जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म तेजी से पॉलिसी जारी करने, ट्रांसपेरेंट तुलना और ऑटोमेटेड रिन्यूअल ट्रैकिंग के जरिए फ्रिक्शन को कम कर रहे हैं। डिजिटाइजेशन से क्लेम वर्कफ़्लो, कम्युनिकेशन और डॉक्यूमेंटेशन में सुधार हो रहा है, जिससे टर्नअराउंड टाइम कम करने में मदद मिल रही है।

भारत लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्टमेंट को तेजी से बढ़ा रहा है। इसलिए, कमर्शियल व्हीकल इंश्योरेंस स्पेस को भी डेवलप करने की जरूरत है। क्लेम रिलायबिलिटी और टेक्नोलॉजी-लेड सर्विस प्रीमियम जैसे फैक्टर्स उतने ही जरूरी हैं। जिन ऑपरेटरों की रोजी-रोटी गाड़ियों के सड़क पर रहने पर निर्भर करती है, उनके लिए ऐसा इंश्योरेंस चुनना जो अच्छा काम करे, एक स्ट्रेटेजिक बिजनेस फैसला बन जाता है।

नाइस फिल्म प्रोडक्शन ने निभाए अपने वादे

इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो सीजन 1 के विनर और रनर अप को मिल रहा है बड़ा मंच

लखनऊ, नाइस फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो सीजन-01 के ग्रैंड फिनाले (16 अगस्त 2025) में किया गया वादा अब हकीकत बन चुका है। शो के दौरान घोषणा की गई थी कि जो भी प्रतिभागी इस मंच से विजेता या रनर-अप बनकर निकलेंगे, उन्हें म्यूजिक वीडियो एल्बम के माध्यम से लॉन्च किया जाएगा — और नाइस फिल्म प्रोडक्शन ने इस वादे को पूरा कर दिखाया है।सीजन-01 के प्रतिभागियों को मौका देते हुए अब तक 4 से अधिक म्यूजिक एल्बम लॉन्च किए जा चुके हैं, जिनमें सिंगिंग, मॉडलिंग, एक्टिंग और किड्स कैटेगरी के प्रतिभाशाली बच्चों को बड़ा प्लेटफॉर्म मिला है। लॉन्च हुए प्रमुख म्यूजिक एल्बम 'हवा हो गए' अमरेंद्र सिंह व शीतल कुशवाहा ने लीड रोल निभाया। 'तेरा लाल लहंगा' - किड्स कैटेगरी के फर्स्ट विनर एलिस रिहान सहित डांसिंग-मॉडलिंग के प्रतिभागी रुद्र प्रताप सिंह, इनाया दहल, आर्यन खान, अर्णव खान और अंशुमान गुर्जर ने लीड रोल किया।'कभी तुम्हें' - सिंगिंग कैटेगरी के विजेता ज्ञानेंद्र तिवारी और लीना चौहान की आवाज में रिलीज।'आसमान की तरफ' आर्यन खान, अर्णव खान और इनाया दहल की म्यूजिक स्टोरी वीडियो, जिसे दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया और रिलीज के कुछ ही दिनों में 5 लाख से अधिक व्यूज प्राप्त हुए। इन सभी गीतों को बड़े प्लेटफार्म पर लॉन्च किया गया है स्पॉटिफाई जिओ हंगामा एप्पल म्यूजिक मानी जानी म्यूजिक कंपनी में लॉन्च किया गया दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और व्यूज लगातार लाखों में पहुंच रहे हैं। आगे की बड़ी योजना नाइस फिल्म प्रोडक्शन ने घोषणा की है कि आने वाले समय में उनके बैनर तले 100 से अधिक नए म्यूजिक एल्बम बनाए जाएंगे, जिनमें सिंगर, एक्टर, मॉडल और किड्स कैटेगरी के नए-नए प्रतिभागियों को मौका दिया जाएगा। इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो सीजन-2.0 में भी चयनित प्रतिभाओं को इसी तरह लगातार लॉन्च किया जाएगा। नाइस फिल्म प्रोडक्शन के फाउंडर एवं डायरेक्टर अजीत श्रीवास्तव स्वयं एक प्लेबैक सिंगर हैं। उनकी मेहनत, लगन और विश्वास के दम पर आज इंडियाज आइकोनिक टैलेंट शो एक भरोसेमंद ब्रांड बन चुका है, जो नई प्रतिभाओं को सपनों से हकीकत तक पहुंचाने का काम कर रहा है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को केयरएज ईएसजी रेटिंग्स से 'केयरएज-ईएसजी 1+' ईएसजी रेटिंग प्राप्त हुई और बैंक को ईएसजी कार्य-निष्पादन हेतु 'लीडरशीप' श्रेणी में रखा गया

21 फरवरी, 2026: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया गर्व से घोषणा करता है कि उसे केयरएज ईएसजी रेटिंग्स द्वारा "केयरएज-ईएसजी 1+" ईएसजी रेटिंग दी गई है, जिससे बैंक को उसके सुदृढ़ पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) कार्य-निष्पादन हेतु "लीडरशीप" श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है.

केयरएज-ईएसजी 1+ रेटिंग केयरएज द्वारा प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च ईएसजी सम्मानों में से एक है और यह संवहनीय बैंकिंग प्रथाओं, उत्तरदायी अभिशासन और सामाजिक रूप से समावेशी पहलों के प्रति बैंक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
भारत सरकार का उपक्रम
Union Bank of India
A Government of India Undertaking

की प्रतिबद्धता को दशार्ती है. यह सम्मान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अपने कारोबार परिचालन, जोखिम प्रबंधन ढांचे और कार्यनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में ईएसजी सिद्धांतों के एकीकरण हेतु किए गए सक्रिय उपायों को प्रदर्शित करता है.

यह रेटिंग निम्नलिखित क्षेत्रों में बैंक के निरंतर प्रयासों को उजागर करती है

पर्यावरण के अनुकूल ऋण पद्धतियों को अपनाना

वित्तीय समावेशन और सामुदायिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना

सुदृढ़ अभिशासन संरचना और पारदर्शी प्रकटीकरण, उद्यम-व्यापी जोखिम प्रबंधन में ईएसजी पहलुओं का एकीकरण, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपनी संवहनीयता रूपरेखा को आगे बढ़ाने और भारत के व्यापक ईएसजी एजेंडा में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है.

योगी सरकार का किसानों को 'होली गिफ्ट', अकाउंट में भेजे पैसे! आपके खाते में आए या नहीं?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश के लाखों किसानों को होली से पहले एक बड़ी आर्थिक सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान 2.51 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में 460 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि सीधे (DBT के माध्यम से) ट्रांसफर की। यह कदम न केवल किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि खेती-किसानी के दौरान होने वाले जोखिमों को कम करने के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पहले जब आपदा आती थी, तो किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं था। साल 2015-16 के दौर में मुआवजे के नाम पर 2 से 4 रुपये के चेक थमा दिए जाते थे, लेकिन आज टेक्नोलॉजी के जरिए 24 घंटे के भीतर पीड़ित को सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में मिल रही है।

1. फसल बीमा से मिली बड़ी राहतः सीएम योगी ने 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के तहत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि जारी की। यह राशि उन किसानों को दी गई है जिनकी फसल बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि या सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भेंट चढ़ गई थी।

2. हादसे के शिकार परिवारों को सहाराः 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' के तहत 3,500 लाभार्थी परिवारों को 175 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। सीएम ने कहा कि किसान समाज की रीढ़ है, इसलिए

किसी भी अनहोनी की स्थिति में सरकार प्रभावित परिवार को औसतन 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद दे रही है।

UP में बिचौलियों का खेल खत्म

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि अब मुआवजे के लिए किसानों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटकर परेशान नहीं होना पड़ता। बिचौलियों का खेल खत्म हो चुका है और पैसा सीधे अन्नदाता तक पहुंच रहा है। सीएम ने कहा कि, 'आपदा खतरनाक होती है और किसी भी इंसान की कमी को कोई पूरा नहीं कर सकता, लेकिन सरकार हर संकट में अपने अन्नदाता के साथ मजबूती से खड़ी है।'

चूंकि यह पैसा DBT के माध्यम से भेजा गया है, इसलिए आप इसे सरकारी पोर्टल PFMS पर चेक कर सकते हैं:

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट [pfms.nic.in] (https://pfms.nic.in) पर जाएं।

होमपेज पर 'Know Your Payments' के विकल्प पर क्लिक करें।

रीना पासवान जाएंगी राज्यसभा? बेटे चिराग इस पर बोले

(जीएनएस)।

बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए होने वाले चुनाव ने राज्य का सियासी पारा चढ़ा दिया है। संख्या बल के आधार पर ठऊ्र का पलड़ा भारी दिख रहा है, लेकिन चर्चा सबसे ज्यादा चिराग पासवान की मां, रीना पासवान को लेकर हो रही थी।

कयास लगाए जा रहे थे कि चिराग अपनी मां को सदन भेजने की तैयारी में हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मां राजनीति से दूर रहना चाहती हैं और उनकी कोई दावेदारी नहीं है।.क शब्दों में कहा कि उनकी मां रीना पासवान सक्रिय राजनीति में नहीं आएंगी। उन्होंने मीडिया से अपील की कि इस विषय को डिबेट का हिस्सा न बनाया जाए। चिराग ने साफ किया कि एक मां के तौर पर वह उनके साथ या दिवंगत पिता के साथ मंच साझा जरूर करती रही हैं, लेकिन उनका इरादा चुनाव लड़ने या राज्यसभा जाने का बिल्कुल नहीं है।

राज्यसभा चुनाव को लेकर चिराग

पासवान काफी आश्वस्त नजर आए। उन्होंने कहा कि पांच की पांच सीटों पर एनडीए गठबंधन की जीत होगी और इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। हालांकि, जब उनसे उपेंद्र कुशवाहा को एक सीट मिलने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने चुप्पी साधे रखी, जिससे सीटों के आंतरिक बंटवारे को लेकर सस्पेंस बरकरार है।

विपक्ष के विरोध पर चिराग का पलटवार

बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्ष के हंगामे और विरोध प्रदर्शन पर चिराग ने करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सिर्फ राजनीति करना है, जबकि सरकार राज्य की घटनाओं को लेकर गंभीर है। चिराग ने जोर दिया कि प्रशासन को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं और सरकार हर हाल में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हाजीपुर में बातचीत के दौरान चिराग ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राज्य में घटने वाली कोई भी अप्रिय घटना सरकार के लिए चिंता का विषय होती है। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री इस पर नजर बनाए हुए हैं। चिराग ने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता है और इसके लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

भविष्य की रणनीति और सस्पेंस

भले ही चिराग ने अपनी मां के नाम पर चल रही चचाओं को रोक दिया हो, लेकिन बिहार की राजनीति में सीट शेयरिंग का गणित अभी भी दिलचस्प बना हुआ है। जेडीयू और बीजेपी के पास दो-दो सीटें जाने की संभावना है, लेकिन चिराग की चुप्पी और अन्य सहयोगियों की उम्मीदों ने राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा छेड़ दी है कि पांचवीं सीट का ऊंट किस करवट बैठेगा।

'एआई इम्पैक्ट समिट': कांग्रेसियों के 'अर्द्धनग्न' प्रदर्शन से भड़कीं मायावती, आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड

(जीएनएस)।

नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान हुए विवादित विरोध प्रदर्शन पर बहुजन समाज पार्टी (BSP) की प्रमुख मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में कुछ लोगों द्वारा अर्धनग्न होकर किए गए विरोध को मायावती ने 'अति-अशोभनीय और निंदनीय' करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर लिखा, 'नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट', जिसमें देश व विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे तथा यह इवेन्ट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खिय़ों में था, इस दौरान जिन भी लोगों द्वारा अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताये जा रहे हैं, वह अति-अशोभनीय व निन्दनीय है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, किन्तु समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिन्ता की बात है अर्थात अपने देश की गरिमा व इमेज को ना बिगाड़ा जाये तो यह उचित होगा।'

दरअसल, नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' उस समय विवादों में घिर गया जब भारतीय युवा कांग्रेस (IYC) के कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'अर्द्धनग्न' होकर विरोध प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में हुए इस हंगामे पर बहुजन समाज पार्टी (BSP) की प्रमुख मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'अति-अशोभनीय और निंदनीय' करार दिया है।

अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस को बताया 'युवा विरोधी'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने समिट में आए प्रदर्शकों और स्टार्टअप्स से मिले फीडबैक का हवाला देते हुए कहा कि सभी ने युवा कांग्रेस की इस हरकत की निंदा की है। वैष्णव ने कहा कि जहां एक ओर समिट में बेहतरीन तकनीकी समाधान पेश किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस राजनीति में इतने निचले स्तर पर गिर गई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कांग्रेस पार्टी को 'युवा विरोधी' करार दिया।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्हें 'बेशर्म, टॉपलेस और ब्रेनलेस' बताया। पात्रा ने कहा कि जब प्रधानमंत्री के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति और दुनिया भर के नेता भारत की प्रशंसा कर रहे हैं, तब राहुल गांधी और उनकी पार्टी देश की छवि बिगाड़ने का काम कर रही है। उन्होंने राहुल गांधी को 'देश का सबसे बड़ा गद्दार और स्पॉइलर' तक कह डाला जो हर महत्वपूर्ण अवसर पर बाधा डालते हैं।

आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड

दूसरी ओर, भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने बयान में इस 'शर्टलेस' प्रदर्शन को प्रधानमंत्री के खिलाफ एक विरोध बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने एआई समिट में देश की पहचान का सौदा किया है। इस हंगामे के बाद दिल्ली पुलिस ने चार युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और उन्हें 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु किया

ऐतिहासिक एमओयू, विद्यार्थियों के समग्र विकास को मिलेगा नया आयाम

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू), लखनऊ ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, अवसाद प्रबंधन, आत्महत्या रोकथाम एवं सामुदायिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानसिक शक्ति फाउंडेशन (टरत्र्) तथा फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट (त्र्प्ह्ळ), इंडिया/कनाडा के साथ एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (टङ्ख्व) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, अवसाद की पहचान, आत्महत्या रोकथाम उपायों तथा कैंपस वेलनेस मॉडल पर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने खुलकर प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों ने व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

यह एमओयू विश्वविद्यालय परिसर एवं समुदाय में संरचित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, आत्महत्या रोकथाम अभियान, शोध परियोजनाएं, कार्यशालाएं, सेमिनार, छात्र इंटर्नशिप, कौशल विकास एवं सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के संचालन हेतु किया गया है।

समझौते के अंतर्गत संयुक्त शोध, फील्ड सर्वे, डेटा विश्लेषण, थीसिस सहयोग, अकादमिक प्रकाशन तथा छात्र-छात्राओं के लिए इंटर्नशिप एवं क्षमता-विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग टूल्स, परामर्श तंत्र, रेफरल पाथवे एवं सतत कैंपस वेलनेस फ्रेमवर्क विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इस अवसर पर कहा—

'एमओयू विद्यार्थियों और समाज के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस साझेदारी के माध्यम से हम न केवल विश्वविद्यालय परिसर में बल्कि व्यापक समुदाय में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। यह पहल विद्यार्थियों के समग्र विकास, शोध-उन्मुख शिक्षा तथा सामाजिक दायित्व के निर्वहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय सदैव समावेशी एवं न्यायसंगत शिक्षा, कौशल विकास, रोजगारपरकता संवर्धन तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देता रहा है। यह सहयोग राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यह एमओयू पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा तथा आपसी सहमति से इसे आगे भी विस्तारित किया जा सकेगा। इस समझौते के माध्यम से केएमसीएलयू मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास एवं अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक सशक्त मॉडल स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

इस मौके पर डॉ नीरज शुक्ला ,डॉ पीयूष त्रिवेदी ,रजिस्ट्रार डॉ महेश कुमार ,प्रोफ डॉ अमरेश श्रीवास्तव ,हेमंत कुमार दीक्षित मौजूद रहे ।

ड्यूटी के दौरान अभद्र भाषा व जातिसूचक गाली देते हुए जान से मारने की धमकी

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी।। थाना क्षेत्र मसौली के ग्राम पंचायतधरौली में पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत सनी भारती की ड्यूटी फार्म रजिस्ट्री करने एवं एस0आई0आर0 में बी0एल0ओ0 के सहयोग, लेखपाल के सहयोग हेतु खण्ड विकास अधिकारी द्वारा लगाया गया था आज दिनांक 21.02.2026 को सन्नी भारती ग्राम जमालपुर में फार्मर रजिस्ट्री करने एवं एस0आई0आर0 नोटिस की सूचना देने हेतु गॉव में गया था उसी समय विपक्षी रईश पुत्र हजारी निवासी जमालपुर मजरे धरौली थाना मसौली जनपद बाराबंकी ने मुझसे कहने लगा कि मादरचोद चमार साले मुझे कालोनी कब दोगें और मेरा कॉलर पकड़ लिया इसके बाद मेरी मोटरसाइंकिल पर जोर-जोर से पैर मारने लगा जिस कारण मोटर साइकिल का नम्बर प्लेट भी टूट गया और जोर-जोर से गालियॉ दोहराते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा, यदि गांव वाले मौके पर मौजूद न होते तो वह मुझे मार ही देता और यह बोला कि मेरे गॉव में कभी मत आना नही तो वह हस्र करूंगा की ड्यूटी करना भूल जाओगे जिसको लेकर प्रार्थी ने मसौली थाना प्रभारी को प्रार्थना देकर उपरोक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है

अंतर जनपदीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

(जीएनएस)।

जनपद रामपुर से 32 सदस्यीय युवा दल, अरुण सिंह तथा पीयूष वरदान के नेतृत्व में आज प्रयागराज आगमन हुआ। यह पाँच दिवसीय आवासीय कार्यक्रम मेरा युवा भारत, प्रयागराज द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का निर्देशन उपनिदेशक प्रयागराज, जागृति पाण्डेय द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन फाफामऊ क्षेत्र के माननीय विधायक श्री गुरु प्रसाद मौर्य द्वारा किया गया। उन्होंने रामपुर से आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए युवाओं का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ह्लहम जहाँ रहते हैं, वहाँ की वेशभूषा, भाषा, कृषि एवं संस्कृति को समझते हैं। यही समझ यदि देश के अन्य जनपदों के प्रति भी विकसित हो, तो भारत की विविधता में एकता और अधिक सुदृढ़ होगी।ह्व उन्होंने महाकुंभ की पावन धरा प्रयागराज में रामपुर के युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि युवा ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के कर्णधार हैं। नई पीढ़ी को शैक्षिक एवं नैतिक

रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता है। आने वाले समय में अपने तहसील, जिले और देश का स्वरूप कैसा होगा, यह निर्धारित करने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। वर्तमान सरकार ह्लविकास के साथ विरासत और विरासत के साथ विकासह्व की भावना पर कार्य कर रही है, जिसका उदाहरण प्रयागराज में महाकुंभ का सफल आयोजन है।

उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में जल्दबाजी और शॉर्टकट की प्रवृत्ति बढ़ रही है, किंतु इस प्रकार की प्रगति स्थायी नहीं होती। स्थायी एवं सुदृढ़ विकास के लिए परिश्रम और समर्पण आवश्यक है। युवाओं को कठिन परिश्रम के माध्यम से सफलता प्राप्त करने पर ध्यान देना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ भी उस विकास का लाभ उठा सकें।

पाँच दिवसीय इस आवासीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य, संस्कृति, नेतृत्व, नैतिक मूल्यों एवं सतत विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सत्र आयोजित किए जाएंगे। दिनांक 22 एवं 24 फरवरी को प्रतिभागियों के लिए शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण का आयोजन किया गया है, जिसके अंतर्गत संग्रहालय, आनंद भवन, गंगा टास्क फोर्स, भारद्वाज पार्क, अरैल घाट एवं वीआईपी घाट संगम का भ्रमण सम्मिलित है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। यह पहल युवाओं को विविध अनुभवों के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इस कार्यक्रम में सत्र के रूप में प्रशिक्षण देने वाले राज्य प्रशिक्षक महेश द्विवेदी रहे।

इस आयोजन में केतन तथा कुलदीप मिश्रा की 5 दिवस तथा क्षेत्र भ्रमण में मुख्य योगदान रहेगा।

लखनऊ डीआईओएस की संवेदनहीनता चरम परः हार्ट सर्जरी वाले शिक्षक को बोर्ड ड्यूटी के लिय भेजा 50 किमी दूर

नियमों की धज्जियां उड़ा रहे लखनऊ डीआईओएस, परीक्षा में लगाई जा रही है सब्जेक्ट टीचरों की ड्यूटी महेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ, आप

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं के आयोजन के बीच लखनऊ जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय के कुप्रबंधन और तानाशाही के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ा मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने साक्ष्यों के साथ विभाग पर भ्रष्टाचार और शिक्षकों के मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। शिक्षक की जान से खिलवाड़ महेंद्र सिंह ने बताया कि रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज के विज्ञान शिक्षक की हाल ही में हार्ट सर्जरी हुई है। चिकित्सा मानकों के अनुसार उन्हें पूर्ण विश्राम और तनावमुक्त रहने की सलाह दी गई है, लेकिन डीआईओएस कार्यालय ने अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए उनकी ड्यूटी घर से 50 किलोमीटर दूर अयोध्या मेमोरियल इंटर कॉलेज फैजाबाद रोड में लगा दी है। डीआईओएस कार्यालय को इसकी जानकारी दी गई लेकिन चार दिन परीक्षा बीत जाने के बाद भी शिक्षक को वहां से हटाकर समीप के विद्यालय में ड्यूटी नहीं लगाई गई। क्या विभाग किसी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? जनपद के बप्पा वोकेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, मोतीलाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, एमकेसडी, विद्यांत इंटर कॉलेज, सेंटिनल इंटर कॉलेज, गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अधिकाश परीक्षा केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित न होने से परीक्षा संचालन में गंभीर कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। केंद्र व्यवस्थापक द्वारा संबंधित अधिकारियों से लगातार दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर कक्ष निरीक्षकों की तत्काल उपलब्धता की मांग की जा रही है, किंतु अब तक आवश्यक संख्या में कक्ष निरीक्षक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है कई परीक्षा केंद्रों पर शिक्षकों की कमी का हवाला देकर सब्जेक्ट टीचर (विषय अध्यापक) से ही ड्यूटी कराई जा रही है। नियम स्पष्ट है कि जिस विषय की परीक्षा हो उस विषय का शिक्षक ड्यूटी पर नहीं रहेगा। लेकिन लखनऊ में नियम केवल कागजों पर हैं। यह सीधे तौर पर नकल को संरक्षण देने और परीक्षा की गोपनीयता भंग करने की साजिश है कक्ष निरीक्षकों की कमी के कारण परीक्षा की सुचारु एवं पारदर्शी व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाती है बल्कि परीक्षार्थियों के हितों के साथ भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है उन्होंने उच्चाधिकारियों से मांग की है इन मुद्दों पर हस्तक्षेप कर तत्काल प्रभाव से रामाधीन के शिक्षक की समीप में ड्यूटी लगाई जाए और आवश्यक संख्या में कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके अन्यथा आम आदमी पार्टी डीआईओएस लखनऊ का घेराव करने को बाध्य होगी। केंद्रों पर पर्याप्त कक्ष निरीक्षक न होने के कारण केंद्र व्यवस्थापक मजबूरन अवैध तरीके से ड्यूटी लगा रहे हैं। छोटे बच्चों के परीक्षा केंद्र 15-20 किलोमीटर दूर बना दिए गए हैं जबकि बगल के स्कूलों में जगह खाली थी। इससे छात्र और अभिभावक दोनों ही आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं।

बिना परमिट पेड़ काटने पर कार्यवाही 25 हजार का जुमार्ना

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। किसानो की दयनीय स्थिति एव वन माफियाओं को मिल रही कथित शह के बीच की खाई को उजागर करता है। जहाँ अपनी ही जमीन पर पेड़ काटने पर किसानों पर जुमार्ना व कानूनी कार्रवाई होती है, वहीं वन माफिया बड़े पैमाने पर अवैध कटाई करके, भ्रष्ट मिलीभगत के चलते, अक्सर बच जाते हैं। यह विसंगति कानून के असमान कार्यान्वयन को दशार्ता है।

ऐसा ही एक मामला सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम जमलापुर मजरे सैदनपुर का है जहा पर खिद्रापुर निवासी किसान राजू पुत्र राजकरन ने गत 4 फरवरी को अपनी जरूरत के मुताबिक अपनी आम की बाग से 9 पेड़ो का कटान कर बिक्री किया था जिसकी शिकायत वन माफिया सियाराम पुत्र सुंदरलाल निवासी जमलापुर ने वन रेंज क्षेत्र रामनगर से की जिस पर वन क्षेत्राधिकारी अर्पणा पाण्डेय एव उप वन क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार यादव ने मौके पर जांच की तो मौके पर मिले किसान राजू वर्मा पर बिना परमिट पेड़ काटने पर कार्यवाही करते 25 हजार का जुमार्ना कर किसान से जमा कराया लेकिन वन माफिया विभाग की कार्यवाही से संतुष्ट न होने पर जिला प्रभागीय वन अधिकारी से शिकायत की कि किसान ने 9 पेड़ के बजाय 17 पेड़ काटे है शनिवार को एस डी ओ अवधेश कुमार वर्मा ने मौके पर पहुंच किसान व शिकायतकर्ता के समक्ष जांच की तो बाग से 9 पेड़ के कटने की ही पुष्टि हो सकी जिसपर फर्जी शिकायत करने वाले अपने ही चहेते वन माफिया को किसान को खुश करने के लिए जमकर फटकार लगाई जबकि सूत्रों द्वारा जानकारी मिली है कि शिकायतकर्ता वन माफिया सियाराम वन विभाग का सबसे चहेता ठेकेदार है जिसने वन विभाग की मिलीभगत से थाना सफदरगंज मसौली बदोसराय थाना क्षेत्र में सैकड़ो हरेभरे आम के पेड़ो का वारा न्यारा कर देता है जिस पर हमेशा वन विभाग मेहरबान रहता है।

वन विभाग हमेशा सरकारी नियमों में वन माफिया को अक्सर रियायत मिलती है, जबकि छोटे किसानों को सख्त कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ता है। वन माफिया की गतिविधियों के कारण वनों को भारी नुकसान होता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अक्सर इस पर कार्रवाई नहीं करते हैं वही किसानों को अपनी जमीन पर लगे पेड़ काटने के लिए भी सरकारी मंजूरी की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जो उन्हें जुमार्ना या कानूनी मुसीबत में डाल सकती है।

पीलीभीतः सुनगढ़ी थाने ने चोरी का सफल खुलासा किया, दो अभियुक्त लैपटॉप व चांदी के मुकुट सहित गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 21 फरवरी 2026। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना सुनगढ़ी पुलिस ने चोरी की सनसनीखेज घटना का सफल अनावरण कर दो अभियुक्तों को चोरी का लैपटॉप और चांदी का एक मुकुट बरामद कर गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।घटना 8 फरवरी को कृष्णलोक कॉलोनी स्थित राजकुमार उर्फ राजू के कार्यालय में हुई, जहां अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर एक लैपटॉप, दो सीसीटीवी कैमरा डिवाइस, नकद रुपये, चांदी का मुकुट और आठ एटीएम/डेबिट कार्ड चुरा लिए थे। मुकदमा संख्या 58/2026 धारा

305ए/331(4) बीएनएस के तहत दर्ज था।गिरफ्तार अभियुक्त हैं-शिवोम गंगवार पुत्र स्व. राजेश कुमार, उम्र 28 वर्ष।विनय गंगवार पुत्र राजेश कुमार, उम्र 29 वर्ष।

दोनों मोहल्ला नई वस्ती, संतोष गुप्ता वाली गली, थाना सुनगढ़ी, पीलीभीत के निवासी। ग्राम बरहा से पूरनपुर गेट चौकी मार्ग पर उन्हें चोरी की वस्तुओं सहित पकड़ा गया।विनय गंगवार का अपराधिक इतिहास लंबा है, जिसमें मु.अ.सं. 444/2025 (आबकारी अधिनियम), 69/2021 (380/411/458 भादवि), 348/2024 (आबकारी अधिनियम) और वर्तमान मुकदमा शामिल हैं।गिरफ्तारी टीमः उपनिरीक्षक अनिल कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल वसीम अहमद, कांस्टेबल अजय यादव। अपर पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।